University in News on 30 January 2020

Amar Ujala-My City Page 5

लविवि : छात्र अब ऑनलाइन दर्ज करा सकते हैं शिकायतें

ऑनलाइन ग्रिवांस रिड्रेसल की व्यवस्था शुरु, डीएसडब्ल्यू को सौंपी जिम्मेदारी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी किसी भी प्रकार की समस्या की शिकायत ऑनलाइन दर्ज कराकर समाधान पा सकते हैं। पिछले तीन वर्षों से कागज पर चल रही ऑनलाइन रिड्रेसल की व्यवस्था अब शुरू की गई है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन को ऑनलाइन रिड्रेसल की जिम्मेदारी दी गई है। विवि की वेबसाइट पर यूनिवर्सिटी डाटा रिसोर्स सेंटर के पोर्टल पर दर्ज शिकायत सीधे अधिष्ठाता छात्र कल्याण के पास आएगी। वह संबंधित व्यक्ति के पास भेजकर समस्या दूर कराना सुनिश्चित करेंगी।

लविवि ने जनवरी 2018 में ऑनलाइन ग्रिवांस पोर्टल की शुरुआत की थी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने के लिए पोर्टल तो जारी कर दिया लेकिन यह कैसे काम करेगा, इसकी कोई व्यवस्था नहीं बनाई। इसका प्रचार-प्रसार भी नहीं किया गया। यहां तक कि यह भी तय नहीं किया गया कि ग्रिवांस किसकी देखरेख में होगा। इसका नतीजा यह हुआ कि कुछ विद्यार्थियों ने ही इस पर शिकायत दर्ज कराई। समस्या का समाधान न होने पर पढ़ाई छोड़कर वे कार्यालयों के चक्कर लगाने लगे। विवि ने अब जाकर ऑनलाइन ग्रिवांस के लिए अधिष्ठाता छात्र कल्याण को अधिकृत किया है। उनकी देखरेख में ही समस्या का समाधान किया जाएगा।

लॉग इन आईडी से दर्ज होंगी शिकायतें

ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने के लिए विद्यार्थी को अपनी लॉग इन आईडी का उपयोग करना होगा। यह लॉग इन आईडी उन्हें पहले ही दी जा चुकी है। स्टूडेंट आईडी और मोबाइल नंबर पर आए ओटीपी की सहायता से ग्रिवांस पोर्टल पर विद्यार्थी समस्या और शिकायत दर्ज करा सकता है। शिकायत दर्ज कराने के लिए विद्यार्थी को शिकायत संख्या भी बताई जाएगी। उसकी शिकायत पर क्या कार्रवाई की गई, पोर्टल पर इसका भी विकल्प दिया गया है। इस तरह से विद्यार्थी को पता चल सकेगा कि उसकी शिकायत पर क्या कार्रवाई हुई है।

> *लिखित में इसका जवाब भी दिया जाएगा*
>
> *लविवि प्रशासन ने विद्यार्थियों की समस्या दूर करने के लिए ऑनलाइन ग्रिवांस की व्यवस्था शुरू कर दी है। विद्यार्थी अपनी लॉग इन आईडी का उपयोग करके शिकायत दर्ज करा सकते हैं। कोशिश की जाएगी कि जल्द से जल्द उनकी समस्या का समाधान हो। समस्या समाधान के साथ ही उन्हें लिखित में इसका जवाब भी दिया जाएगा। -डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता, लविवि*

NBT Page 7

'बिना डरे नैक मूल्यांकन की प्रक्रिया का हिस्सा बनें कॉलेज'

एलयू के आईक्यूएसी विभाग की ओर से हुई कार्यशाला

■ **एनबीटी, लखनऊ:** लखनऊ विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी विभाग की ओर से डीपीए सभागार में नैक मूल्यांकन को लेकर कार्यशाला हुई। आईपीपीआर निदेशक प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में शामिल 70 कॉलेजों को नैक मूल्यांकन का महत्त्व बताया गया।

कार्यक्रम में आईक्यूएसी निदेशक प्रो. राजीव मनोहर ने कॉलेजों को बिना डरे मूल्यांकन प्रक्रिया का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए कानपुर विश्वविद्यालय के प्रो. सुधांशु पांड्या ने नैक के नए दिशा-निर्देशों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि नया प्रोफार्मा पूरी तरह आईसीटी पर आधारित है। अब डेटा को डिजिटल फॉर्म में रखना जरूरी है। छात्रों को अच्छी व्यवस्था देना हमारी प्राथमिकता है। कोर्स में सीबीसीएस की प्रणाली का होना इसका एक प्रमाण है। इस दौरान आईक्यूएसी बोर्ड के सदस्य, प्रफेसर अजय प्रकाश ने कॉलेजों के मूल्यांकन पद की रूपरेखा प्रस्तुत की।

कार्यशाला में आईक्यूएसी निदेशक ने नैक मूल्यांकन के लिए प्रेरित किया।

Dainik Jagran Page 6

लविवि ग्रीवांस पोर्टल के जरिए दूर करेगा छात्रों की शिकायत

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रकोष्ठ से इसके लिए लगाए गए कर्मचारी

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लविवि अब ग्रेवांस पोर्टल के जरिए छात्रों की शिकायतों का जल्द से जल्द निस्तारण करेगा। इसके लिए विवि प्रशासन से अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रकोष्ठ के दो कर्मचारियों को लगाया गया है। पोर्टल पर आने वाली विद्यार्थियों की शिकायतों को समय रहते दूर कर उन्हें रिपोर्ट दी जाएगी। छात्र इसमे अपनी सामान्य शिकायतें दर्ज करा सकेंगे।

डिवि की वेबसाइट पर है 'ग्रीवांस' : विवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सभी छात्रों की लविवि की वेब साइट पर लॉगिन आइडी बनी है। जो विद्यार्थी अपनी शिकायत दर्ज कराना चाहेंगे। वह लॉगिन आइडी से वेब साइट के 'ग्रीवांस' सेक्शन में जाकर शिकायत दर्ज कराएंगे। समय रहते शिकायतों का निस्तारण किया जाएगा। न्यू कैंपस के करीब 500 विद्यार्थियों को भी अगर कोई शिकायत दर्ज करानी है तो वह भी इसी पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे।

दो से तीन दिन के अंदर विद्यार्थियों को मिल जाएगा कॉशन मनी : विश्वविद्यालय के खाते में पड़ी छात्रों की सत्र 2018-19 की कॉशन मनी दो-तीन दिन में उन्हें वापस मिल जाएगी। प्रक्रिया शुरू हो गई है। विवि द्वारा वर्ष 2016-17 और 2017-18 की कॉशन मनी छात्रों को पहले ही दी जा चुकी है।

पांच महाविद्यालयों पर एक मेंटर

लखनऊ : नैक मूल्यांकन के लिए पांच महाविद्यालयों पर एक मेंटर की नियुक्ति की जाएगी। मेंटर नैक (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद) आकलन की तैयारी कराएंगे। बुधवार को यह निर्णय लविवि में 72 महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों की हुई बैठक में लिया गया। बैठक में कानपुर विवि के डॉ. सुधांशू पांडेय ने सभी महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों को नैक मूल्यांकन के तरीकों की जानकारी दी। सभी महाविद्यालयों को आइक्यूएसी सेल मजबूत करने और वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं. नैक मूल्यांकन को लेकर प्रदेश के शिक्षण संस्थानों की स्थिति ठीक नहीं है।